



Ritz



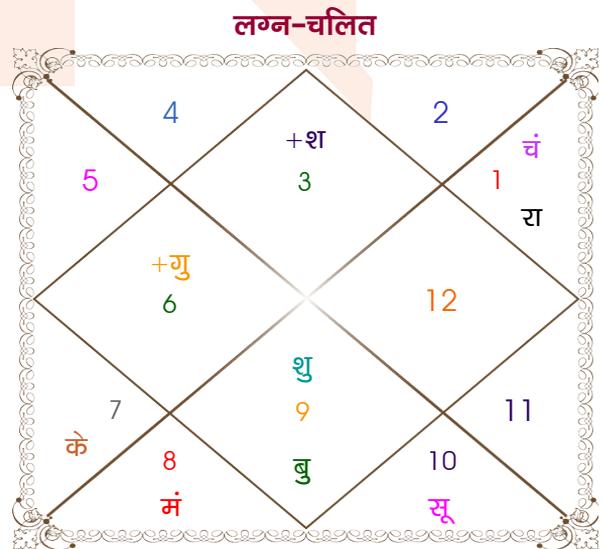
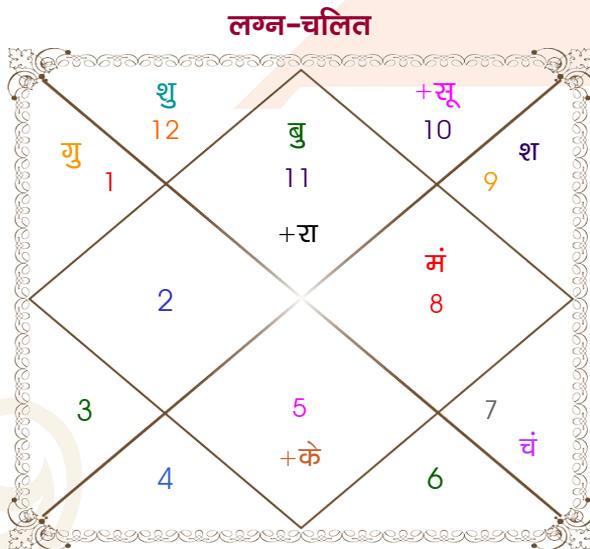
Kritz

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121092705

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
09/02/1988 :	जन्म तिथि	: 17/01/2005
मंगलवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 07:40:00 :	जन्म समय	: 16:30:00 घंटे
घटी 01:33:15 :	जन्म समय(घटी)	: 23:21:57 घटी
India :	देश	: Pakistan
Indore :	स्थान	: Shikarpur
22:42:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:57:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व :	रेखांश	: 68:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 75:00:00 पूर्व
घंटे -00:26:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:25:28 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:02:42 :	सूर्योदय	: 07:17:58
18:18:44 :	सूर्यास्त	: 17:53:29
23:41:30 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:55:32

विंशोत्तरी मंगल 1वर्ष 5मा 1दि शनि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 3वर्ष 11मा 22दि शुक्र
12/07/2023	06:06:52	कुंभ	लग्न	मिथु	16:20:15	09/01/2009
12/07/2042	25:50:40	मक	सूर्य	मक	03:32:08	09/01/2029
शनि	03:57:38	तुला	चंद्र	मेष	05:45:18	शुक्र
बुध	27:20:03	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	21:50:26	सूर्य
केतु	00:20:10	कुंभ व	बुध	धनु	16:28:36	चन्द्र
शुक्र	00:57:49	मेष	गुरु	कन्या	24:33:15	मंगल
सूर्य	05:46:09	मीन	शुक्र	धनु	15:48:46	राहु
चन्द्र	05:52:56	धनु	शनि व	मिथु	29:39:49	गुरु
मंगल	29:47:37	कुंभ	राहु व	मेष	03:38:36	शनि
राहु	29:47:37	सिंह	केतु व	तुला	03:38:36	बुध
गुरु	06:03:28	धनु	हर्ष	कुंभ	10:42:53	केतु
	15:28:32	धनु	नेप	मक	20:29:53	
	18:53:03	तुला	प्लूटो	वृश्चि	29:22:07	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

Ritz का वर्ग मृग है तथा Kritz का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Ritz और Kritz का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Ritz मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।
Kritz मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।
Ritz तथा Kritz में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।